राष्ट्रीय वेबिनार

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार, मत्स्य पालकों की आय दोगुनी करने के लिए आधुनिक जल संवर्धन तकनीक का आयोजन किया जा रहा है। इस वेबिनार में मुख्य अतिथि डॉ. जॉयकृष्णा जैना, डी.डी. जी. फिशरीज आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली, द्वारा प्रतिभागियों को विशिष्ट संदेश दिया गया जिसमें उनके द्वारा मछली पालन एवं आधुनिक तकनीक के बारे में बताया गया। इसमें देशभर–के प्रतिष्ठित संस्थानों से 9 वक्ताओं द्वारा अपने व्याख्यान आनलाईन प्रस्तुत किये जा रहे है। जिसमें से पिछले दो दिवसों में पॉच व्याख्यान जो किय डॉ. आर.एस. चौहान, एकीकृत (समन्वित) मछली पालन, डॉ. एस नायक, मिश्रित मत्स्य पालन डॉ. वी.पी. मोहंती (ए.डी. जी. फिशरीज) मछली की पोषक महत्ता, डॉ. बी.आर. चावन, मछली पालन की रिसर्कुलर एक्वाकल्चर सिस्टम (आर.ए.एस.) एवं डॉ. आशुतोष मिश्रा, मछली उत्पादन बढ़ाने हेतु जल की गुणवत्ता पर व्याख्यान दिय गये।

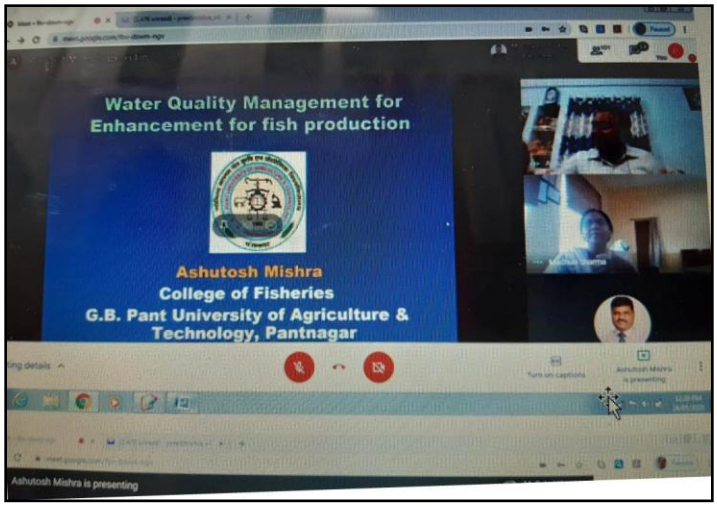

इस वेबिनार में आज डॉ. बसुधा देवी, मीठे जल की कुछ प्रमुख प्रजातियॉ, डॉ. सुधांशु एस. मिश्रा बेहतर मत्स्य उत्पादन हेतु रोग प्रबंधन, डॉ. राजू टाइबल, बायोफलॉक तकनीक, डॉ. हिमाद्री सहा, कोविड–19 के दौरान मत्स्य पालन प्रबंधन के द्वारा अपने व्याख्यान आनलाइन प्रस्तुत किये जायेंगे। इसमें देश के विभिन्न 23 राज्यों से वैज्ञानिक, छात्र–छात्राऍ, शोधकर्ता एवं किसान भाग ले रहे है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं कोर्स डॉयरेक्टर डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठता संकाय एवं अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह–समन्वयक डॉ. एस.के. महाजन एवं डॉ. प्रीति मिश्रा है।

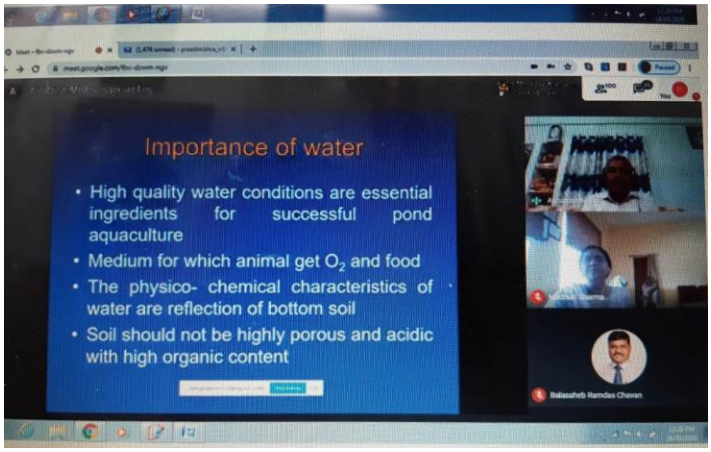

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर